अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : तृतीय – जैन धर्म प्रथमा (परीक्षा 20 जुलाई, 2014)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. किसी भी प्रकार की नकल नहीं करें एवं किसी से बातचीत का भी प्रयास नहीं करें। इसके अंक काटे जा सकते हैं अथवा परीक्षा निरस्त की जा सकती है।
5. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
6. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	6	कुल योग
प्राप्तांक							
पूर्णांक	10	10	10	10	24	36	100
पुनः जाँच							

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a) प्रत्येक व्रत में अतिचार होते हैं -

(क) 60 (ख) 05

(ग) 08 (घ) 10 ( )

(b) व्रत पालन में इससे तेजस्विता आती है -

(क) प्रतिक्रमण (ख) स्वाध्याय

(ग) पौषध (घ) सामायिक ( )

(c) जिन संसाधनों से कर्मों का निरन्तर बंध होता है, उन्हें कहते हैं -

(क) अधिकरण (ख) पापस्थान

(ग) कर्मादान (घ) आश्रव ( )

(d) अपने किए हुए शुभाशुभ कर्मों का फल भोगने के स्थान को कहते हैं -

(क) दण्डक (ख) संसार

(ग) गति (घ) जाति ( )

(e) उपयोग होते हैं -

(क) 15 (ख) 12

(ग) 16 (घ) 09 ( )

(f) जिस शरीर में विविध प्रकार की क्रियाएँ होती हों, उसे कहते हैं -

(क) वैक्रिय शरीर (ख) औदारिक शरीर

(ग) कार्मण शरीर (घ) तैजस् शरीर ( )

(g) कायोत्सर्ग के आगार हैं -

(क) 10 (ख) 12

(ग) 05 (घ) 60 ( )

(h) पहले णमोत्थुणं के पाठ से स्तुति की जाती है -

(क) आचार्यों की (ख) उपाध्यायों की

(ग) अरिहंतों की (घ) सिद्धों की ( )

(i) 'कपट सहित झूठ बोलना' पाप है -

(क) मायामृषावाद (ख) मिथ्यादर्शन शल्य

(ग) अभ्याख्यान (घ) पर-परिवाद ( )

(j) नवकार मंत्र किस भाषा में है -

(क) गुजराती (ख) प्राकृत

(ग) हिंदी (घ) संस्कृत ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं ' में दीजिए :- **10x1 = (10)**

(a) संलेखना के 5 अतिचार होते हैं। ( )

(b) कर्मादान श्रावक-श्राविका के आचरण योग्य हैं। ( )

(c) 'कूड़ा लेख लिखा हो', दूसरे व्रत का अतिचार है। ( )

(d) संयम की तीव्र इच्छा संवेग है। ( )

(e) जीव अशुभ कर्मों का कर्त्ता है। ( )

(f) गुण और पर्याय के समूह को द्रव्य कहते हैं। ( )

(g) भगवान ऋषभदेव ने विनीता नगरी बसाई। ( )

(h) उपाध्याय भ्रान्ति मिटाते हैं। ( )

(i) नवकार मंत्र द्रव्य मंगल है। ( )

(j) 'पवनकुमार' भवनपति देव है। ( )

प्र.3 मुझे पहचानो :- **10x1 = (10)**

(a) मैं अन्तिम पापस्थान हूँ। .....

(b) मैं दसवाँ व्रत हूँ। .....

(c) मैं संसारी जीवों के ज्ञान प्राप्ति का साधन हूँ। .....

(d) मैं ज्ञान दर्शन आदि पर्यायों में निरन्तर रमण करती हूँ। .....

(e) मेरा मुख्य गुण सड़न-गलन-विध्वंसन हैं। .....

(f) मैं पंचाचार का पालन करवाता हूँ। .....

(g) मैं राग-द्वेष जयवंता हूँ। .....

(h) मैं सामायिक का समापन सूत्र हूँ। .....

(i) मेरे 303 भेद हैं। .....

(j) मेरे बारह व्रत होते हैं। .....

प्र.4 प्रश्न एवं उत्तर दोनों क्रम से नहीं दिये हुए हैं, आप उत्तर की जोड़ी मिलाकर सही उत्तर रिक्त स्थान में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a)	प्रत्याख्यान	-	प्रणिपात सूत्र	.....
(b)	शय्या संथारा	-	गुणस्थान	.....
(c)	मृषावाद	-	आवश्यक	.....
(d)	णमोत्थुणं	-	आत्मा	.....
(e)	अनर्थदण्ड	-	तेऊकाय	.....
(f)	कषाय	-	पौषध	.....
(g)	कोयला	-	पर्याप्ति	.....
(h)	सास्वादन	-	पापस्थान	.....
(i)	आहार	-	पृथ्वीकाय	.....
(j)	विद्युत्	-	आठवाँ व्रत	.....

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए :- **12x2 = (24)**

(a) अतिथि संविभाग व्रत के कोई 2 अतिचार लिखिए।

.....

.....

(b) प्रतिक्रमण का मूल उद्देश्य क्या है ?

.....

.....

(c) आगम के तीन भेदों के नाम लिखिए।

.....

.....

(d) आयुष्य बल प्राण को परिभाषित कीजिए।

.....

.....

(e) विकार किसे कहते हैं ?

.....

.....

(f) **सामायिक चारित्र का अर्थ लिखिए।**

.....

.....

(g) **भगवान ऋषभदेव ने कितने वर्णों की व्यवस्था की ?नाम लिखिए।**

.....

.....

(h) **भगवान ऋषभदेव की दोनों रानियों के नाम लिखिए।**

.....

.....

(i) **प्रतिसंलीनता तप का आशय स्पष्ट कीजिए।**

.....

.....

.....

(j) **पर्यावरण की शुद्धि में कौन-कौन से पेड़-पौधों की सहायता ली जा सकती है ?उनके नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :-

(k) **पाँच नमन** .....

..... **विघ्न विनाशक।**

(l) **जो आदि** .....

..... **हरते हैं।**

प्र.6 निम्न प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए :- **12x3 = (36)**

(a) **दर्शन सम्यक्त्व के अतिचार हिंदी में लिखिए।**

.....

.....

.....

(b) **पन्द्रह कर्मादान के नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

(c) **'केवलज्ञान' का आशय स्पष्ट कीजिए।**

.....

.....

.....

(d) **तेजोलेश्या वाले जीव का स्वरूप बताइए।**

.....

.....

.....

(e) **यतना कितनी होती हैं ?नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

(f) **राजाभियोग आगार का अर्थ लिखिए।**

.....

.....

.....

(g) **तीर्थंकर के कितने कल्याणक होते हैं ?नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

(h) **वंदना से होने वाले लाभ लिखिए।**

.....

.....

.....

(i) **'लोक भावना' का दोहा लिखिए।**

.....

.....

.....

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :-

(j) **इच्छामि णं भंते** .....

.....

..... **काउस्सग्गं।**

(k) **अहो, कायं** .....

.....

..... **खामेमि खमासमणो।**

(l) **सुर-असुरों** .....

.....

..... **का क्या कहना।**